गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल चास
सप्ताहिक कार्य-2
2020 21

वर्ग अष्टम। विषय हिंदी

कविता- यह है भारत देश हमारा
कवि-सुब्रह्मण्यम भारती

चमक रहा उत्तुंग हिमालय यह नगराज हमारा ही है
जोड़ नहीं धरती पर जिसका वह नगराज हमारा ही है
नदी हमारी ही है गंगा प्लावित करती मधु रस धारा
बहती है क्या कहीं और भी ऐसी पावन कल कल धारा
सम्मानित जो सकल विश्व में महिमा जिनकी बहुत रही है
अमर ग्रंथ वे सभी हमारे उपनिषदों का देश यही है
गाएंगे यश हम सब इसका यह है स्वर्णिम देश हमारा
यह है भारत देश हमारा महारथी कई हुए जहां पर
यह है देश मही का स्वर्णिम ऋषि यों ने तब किए जहां पर
यह है देश जहां नारद के गूंजे मधुमेह गान कभी थे
यह देश जहां पर बनते सर्वोत्तम सामान सभी थे
यह है देश हमारा भारत पूर्ण विज्ञान का शुभ निकेतन
यह है देश जहां पर बरसी बुद्धदेव की करुणा चेतन
हे महान अति भव्य पुरातन गूंजेगा यह गान हमारा
विघ्नों का दल चढ़ाए तो उन्हें देख भयभीत न होंगे
अब ना रहे दलित दिन हम कहीं किसी से ही ना होंगे
शुद्र स्वार्थ की खातिर हम तो कभी ना अच्छे कर्म करेंगे
पुण्य भूमि यह भारत माता जकी हम तो भीख ना लेंगे
मिसरी मधु मेवा फल सारे, देती हमको सदा यही है
कदली चावल अन्न विविध अरुण क्षीर सुधा में लुटा रही है
हरिभूमि उत्कर्ष मयी यह, गूंजेगा यह गान हमारा
कौन करेगा समता इसकी, महिमा मैं यह देश हमारा।

प्रस्तुत कविता तमिल भाषा के प्रसिद्ध कवि सुब्रह्मण्यम भारती द्वारा रचित है। यह कविता देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत है। कवि ने भारत की महानता तथा प्राकृतिक सौंदर्य का गुणगान किया है हमारे देश की रक्षा करने के लिए हिमालय की श्रृंखला विद्यमान है। नगराज हिमालय का जोड़ धरती पर नहीं है। हमारे देश में गंगा की पावन तथा अमृत धारा बहती है। हमारे देश की संस्कृति, ग्रंथ, उपनिषद अपना विशेष स्थान रखते हैं। यह अमर ग्रंथ विश्व भर में सम्मानित हैं। यह महापुरुषों की धरती है। यह मनीषियों की तपोभूमि है। प्राचीन काल में नारद इसका यश गान करते थे। यह संपदा से परिपूर्ण देश है। ज्ञान विज्ञान का यह आशय है आश्रय है। भगवान बुध के करुणा भरे शब्द आज भी भारतीयों में विद्यमान हैं हैं। संकट के समय हम भारतीय भयभीत नहीं होने वाले हैं। और ना ही स्वार्थ पूर्ति के लिए हम गलत मार अपनाते हैं। हम वीर हैं भिक्षुक नहीं भिक्षुक नहीं। भारत आकार में विशाल धंधा ने संपन्न हैं ।हमारे देश की अच्छी मिट्टी कई तरह के उत्पादों को विकसित कर सकती है और यह दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बन सकता है।

अभ्यास कार्य
निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखिए।
प्रश्न 1) धरती पर किसका जोड़ नहीं है?

प्रश्न 2)हमारी धरती पर अनेक महारथी हुए हैं ?आप 5 महारथियों के नाम बताइए।
प्रश्न 3) 'बहती है क्या कहीं और भी ऐसी पावन कल कल धारा'पंक्ति से गंगा की किस विशेषता का पता चलता है?
प्रश्न 4 इस कविता में किसकी करुणा का उल्लेख हुआ है?
प्रश्न 5) सुब्रमण्यम भारती किस भाषा के कवि थे?
प्रश्न 6 भारत किसे देख देखकर भयभीत नहीं होगा?
प्रश्न 7 भारत माता हमें क्या देती है?
निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें।
1)कविता के आधार पर भारत के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए।
2)कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

व्याकरण भाग

निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए।

नदी, निकेतन, धरती, कदली, चेतन, गान।

निम्नलिखित शब्दों के भाववाचक संज्ञा बनाइए।

महान, भव्य, शुद्र, करुणा, विविध, मानव।

- **सारा कार्य कॉपी में सुंदर लिखावट के साथ करें।**